समावर्तन

२०१३

MPM LIBRARY 102/01
9491

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर-२७३०१४ (उ.प्र.)

हमारे आदर्श

स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिये सर्वस्व निछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान् श्रीराम के श्रीमुख से निःसृत-

'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'

और पुन्य प्रताप महाराणा प्रताप का यह उद्घोष कि-

'जो हठि राखे धर्म को तिहि राखै करतार'

... :मरणीय बोधवाक्य हैं। शिक्षा परिषद् और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम ... ाओं में अध्ययन-अध्यापन ... ने के साथ-साथ अपने देश ...

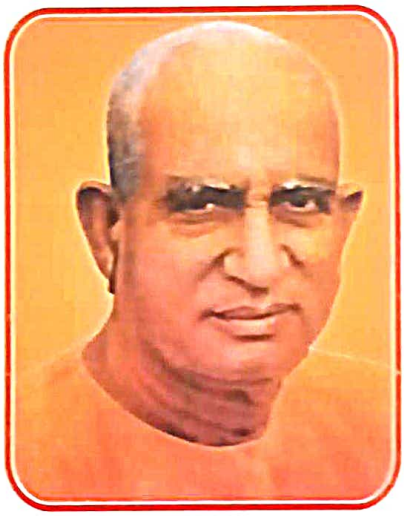

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) 273014

ग्रन्थालय

परिग्रहण सं. 9491

आह्वान सं. ....

... माध्यम स्वीकार करते हुए ... ड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र ... की शिक्षण संस्थाओं को ... थापना कर शिक्षा क्षेत्र में ... के अन्तर्गत संचालित तीन ... यें कला, विज्ञान, वाणिज्य, साहित्य और प्राविधिक विषयों में परम्परागत तथा आधुनिक विषयों की शिक्षा ले रहे हैं।

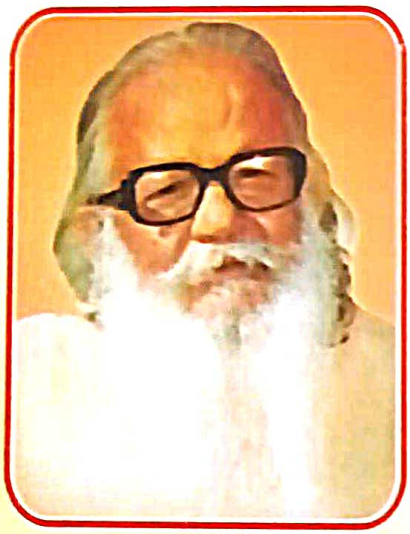

महाराणा प्रताप महाविद्यालय के संस्थापक

अ... .रण्य गुरुदेव युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के बहुआयामी सपनों को साकार करने में निरन्तर संलग्न सामाजिक समरसता के उद्गाता, राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा और अप्रतिम धर्मयोद्धा वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर श्री महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने सन् १९३२ ई० में गुरुदेव द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' को अपनी निष्ठा, सुदीर्घकालीन तपस्या और अनुभव की पूँजी से उत्तरोत्तर समृद्ध, समुन्नत और प्रगतिशील रखते हुए १९५७-५८ ई० में गोरखपुर में वर्तमान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उदारतापूर्वक विलीनीकृत तत्कालीन महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग रूप में पुनर्जीवित करते हुये उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना की जिसने शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्कारयुक्त एवं अनुशासित परिसर की स्थापना कर अपनी बेहतरीन साख बनायी है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बाल गंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्न चिह्न खड़ा होने लगा था। १९२० ई० के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और १९३०-३१ ई० तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। १९१५-१६ ई० के बाद इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रमे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। अपनी संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि से शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही एक मात्र इस चुनौती का समाधान था। इस चुनौती को भी भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से ४ फरवरी १९१६ ई० को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय लोकार्पित हो गया। भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह विश्वविद्यालय पूरे देश में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा पद्धति का एक नया मानक बना और इसी धारा को तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए १९३२ ई० में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के भी क्षेत्र में भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती .. भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों की पुनः स्थापना अपनी योजनानुसार ा। यह दूरदृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तक तक देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज र मिलेगी।

देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत १९३२ ई० में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में 'महाराणा प्रताप क्षत्रिय स्कूल' प्रारम्भ हुआ। १९३५ ई० में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और १९३६ ई० में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम महाराणा प्रताप हाई स्कूल' हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते समय यह विद्यालय महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कालेज के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

१९४९-५० ई० में इसी परिसर में महाराणा प्रताप डिग्री कालेज की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। अगस्त १९५८ में महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप डिग्री कालेज को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। वर्तमान गोरखपुर विश्वविद्यालय का वाणिज्य संकाय आज भी उसी महाराणा प्रताप डिग्री कालेज भवन में चल रहा है तथा उसी परिसर में विश्वविद्यालय का एम.बी.ए., शिक्षा शास्त्र एवं वाणिज्य संक. का नवीन भवन भी स्थित है। तत्पश्चात् महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् ने ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजय नाथ जी महाराज के नाम से वर्तमान दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना की, सम्प्रति यह विश्वविद्यालय परिसर से सटे महानगर का एक अति प्रतिष्ठित महाविद्यालय है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में दर्जनों शिक्षण संस्थाएँ गोरखपुर क्षेत्र में संचालित हो रही है। इनमें गोरखपुर में महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय रामदत्तपुर, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय गोरखनाथ, दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक, महाराणा प्रताप मंगला देवी सिनियर सेकेण्ड्री स्कूल बेतियाहाता, महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज जंगल धूसड़, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत ..तर माध्यमिक विद्यालय गोरखनाथ, महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कालेज रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप पूर्व माध्यमिक विद्यालय रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप शिशु शिक्षा विहार रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप जूनियर हाईस्कूल लालडिग्गी, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक माफी पीपीगंज, पितेश्वरनाथ जूनियर हाईस्कूल भरोहिया, पीपीगंज, प्रताप आश्रम गोलघर, महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, महन्त दिग्विजयनाथ महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, गुरुगोरक्षनाथ संस्कृत छात्रावास गोरखनाथ, महाराणा प्रताप टेलरिंग स्कूल सिविल लाइन्स, गुरू श्री गोरक्षनाथ स्कूल आफ नर्सिंग गोरखनाथ मन्दिर, महायोगी गुरु गोरक्षनाथ योग संस्थान गोरखनाथ मन्दिर, श्री गोरखनाथ आधुनिक व्यायाम शाला गोरखनाथ मन्दिर, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई -कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र जंगल धूसड़, हिन्दू विद्यापीठ जंगल तिनकोनिया, महायोगी गुरू श्री गोरक्षनाथ गौ सेवा केन्द्र गोरखनाथ, गुरू श्री गोरक्षनाथ सेवा संस्थान गोरखनाथ एवं योगिराज बाबा गम्भीर नाथ सेवा आश्रम जंगल धूसड़ आदि संस्थाएँ हैं। महराजगंज में दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक बाजार, दिग्विजयनाथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय चौक बाजार तथा दिग्विजयनाथ प्राथमिक विद्यालय चौक बाजार प्रमुख शिक्षण संस्थाएँ हैं। शिक्षा परिषद् की एक महत्वपूर्ण संस्था गुरू गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यालय मैदागिन, वाराणसी में स्थित है। महराजगंज जनपद के चौक बाजार में सबसे नवीन संस्था गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय इस वर्ष अपना द्वितीय सत्र पूरा करने जा रहा है। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित संस्था है।

गोरक्षपीठाधीश्वर

॥ ओऽम् नमो भगवते गोरक्षनाथाय ॥

☎ (०५५१)
२२५५४५३
२२५५४५४

श्री गोरखनाथ मन्दिर

शुभाशीष

१९३२ ई० में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना गुरूदेव महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा के प्रसार हेतु किया था। उन्होंने अपने द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप महाविद्यालय' को तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री गोविन्द बल्लभ पन्त के आग्रह पर गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु भूमि-भवन एवं अध्यापक-छात्र सहित सरकार को दे दिया। सम्प्रति गोरखपुर विश्वविद्यालय की नींव पड़ी। उसी स्मृति को पुनर्जीवित करते हुए जंगल धूसड़ में 'महाराणा प्रताप महाविद्यालय' की स्थापना की गई।

यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रतिमान बनकर उभरा है। महाविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर कक्षाओं का संचालन बढ़ते कदम का परिचायक है। हमे प्रसन्नता है कि महाविद्यालय का छठवाँ बैच स्नातक की शिक्षा तथा दूसरा बैच स्नातकोत्तर की शिक्षा पूरी कर अपने जीवन के अगले सोपान पर कदम रखने के लिए तैयार है। 'समावर्तन संस्कार' के साथ उन्हें महाविद्यालय परिवार 'विदा' करने जा रहा है। मुझे विश्वास है कि महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अध्ययन के दौरान यहाँ के विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ जो सामाजिक-राष्ट्रीय जीवन की भी शिक्षा एवं प्रेरणा मिली है, उससे उनका मार्ग प्रशस्त होगा। राष्ट्र और समाज को एक योग्य पीढ़ी प्राप्त होगी। मेरा सभी छात्र-छात्राओं को शुभाशीष एवं इस आयोजन के प्रति हार्दिक शुभकामना।

शुभेच्छु

(महन्त अवेद्यनाथ)
सचिव/ मंत्री, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्
अध्यक्ष-प्रबन्ध समिति,
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़

Dr. BHOLENDRA SINGH
M.Com. Ph.D.
Ex. - Vice Chancellor
Poorvanchal University
Jaunpur

☎ : (051) - 2256934
Residence :-
A-64, Surajkund Colony
Gorakhpur-273001

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ की शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहल अविस्मरणीय है। १९३२ ई० में ही महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना के साथ शिक्षण संस्थानों की जो शृंखला खड़ी हुई, उसमें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना उच्च शिक्षा में बढ़ते कदम का अगला पड़ाव था। गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की इच्छा एवं प्रेरणा से स्थापित यह महाविद्यालय आठवाँ वर्ष पूरा करने जा रहा है। इस सत्र में महाविद्यालय से स्नातक शिक्षा प्राप्त कर चुके छठवें 'बैच' एवं स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त कर चुके द्वितीय 'बैच' के लिए 'समावर्तन संस्कार' समारोह का आयोजन एक प्रशंसनीय प्रयास है। इस प्रयास की सफलता हेतु मैं महाविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामना एवं धन्यवाद प्रेषित कर रहा हूँ।

भोलेन्द्र सिंह

(भोलेन्द्र सिंह)
पूर्व, कुलपति
अध्यक्ष-महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

योगी आदित्यनाथ
सांसद सदस्य, लोकसभा
भारत
प्रबन्धक,
महाराणा प्रताप महाविद्यालय,
जंगल धूसड

शुभकामना संदेश

शिक्षा में गुणवत्ता का गिरता स्तर उच्च शिक्षा के समक्ष एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। उच्च शिक्षा परिसरों में अराजकता, अपराधियों का बढ़ता प्रभाव, राजनीतिक दलों का सक्रिय हस्तक्षेप और शिक्षा संस्कृति का निरन्तर ह्रास गम्भीर चिंता का विषय है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में गुणवत्तायुक्त, युगानुकूल और भारतीय संस्कृति केन्द्रित शिक्षा के प्रसार हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने की थी। उपर्युक्त विषम परिस्थितियों में चुनौती को स्वीकार करते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना २००५ ई० में की गयी। शीघ्र ही इस महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज करायी। पूरे सत्र में १५१ दिन पढ़ाई, ३० जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण कर लेने, सप्ताह में एक दिन की कक्षा छात्र-छात्राओं द्वारा पढ़ाये जाने, सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ महाविद्यालय की प्रतिदिन की दिनचर्या शुरू करने, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का आयोजन, सप्ताह में एक दिन स्वैच्छिक श्रमदान, विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन जैसे नये-नये प्रयोगों के साथ इस महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय ख्याति अर्जित की है।

छात्रसंघ की संरचना में नया प्रयोग एवं प्रशासनिक व्यवस्था में छात्र सहभाग की योजना प्रशंसनीय है। यदि ये प्रयोग सफल हुये तो निश्चय ही यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक मानक महाविद्यालय के रूप में जाना जायेगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षा के साथ संस्कार का प्रयास भी सराहनीय है। 'गाउन' के स्थान पर भारतीय वेश-भूषा में 'समावर्तन संस्कार' समारोह का आयोजन भी शिक्षा परिसर में भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना का महत्वपूर्ण प्रयास है। 'समावर्तन संस्कार' समारोह की सफलता एवं वर्तमान सत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा पूर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के पथ पर निरन्तर अग्रसर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मेरी हार्दिक शुभकामना।

(योगी आदित्यनाथ)
सह सचिव, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद
मंत्री प्रबन्ध समिति,
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़

प्रो० यू० पी० सिंह
पूर्व कुलपति
वीर बहादुर सिंह
पूर्वांचल विश्वविद्यालय
जौनपुर, उ.प्र.

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने १९३२ ई० में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की। शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत प्राथमिक से लेकर उच्च एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों की शृंखला खड़ी की। तत्पश्चात् गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की देख-रेख में शिक्षा के क्षेत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा स्थापित तत्कालीन महाराणा प्रताप डिग्री कालेज में १९५५ से १९५८ ई० तक कार्य करने का मुझे सुअवसर मिला। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना शिक्षा परिषद् के इसी बढ़ते क्रम में हुई।

अपने अल्प समय में ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इस महाविद्यालय को पर्याप्त यश मिला है। नित नये प्रयोगों, अनुशासन, गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के कारण यह महाविद्यालय प्रशंसित हुआ है। हमें विश्वास है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय भारतीय संस्कृति के विकास का प्रयास जारी रखेगा। महाविद्यालय के षष्ठम् 'समावर्तन संस्कार' समारोह के आयोजन पर महाविद्यालय परिवार को हमारी हार्दिक शुभकामना।

उ० प्र० सिंह

(यू.पी. सिंह)
उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्
उपाध्यक्ष-प्रबन्ध समिति,
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़

मुख्य अतिथि

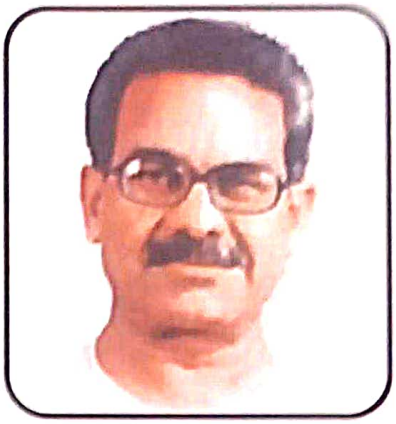

डॉ. कृष्ण गोपाल
सह सरकार्यवाह
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
नई दिल्ली

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ द्वारा स्थापित पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में सर्वाधिक अग्रणी एवं प्रतिष्ठित संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित जंगल धूसड़ में स्थित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय देश के प्रतिष्ठित कुछ उच्च शिक्षण संस्थानों में एक है, जहाँ पाठ्यक्रमों के साथ-साथ राष्ट्रभक्ति एवं समाज सेवा का पाठ पढ़ाया जाता है। गोरखपुर से मेरा निकट का सम्बन्ध है। गोरखपुर में आता-जाता रहता हूँ। मैंने यहाँ के लोगों का मानस पढ़ा है। मैं यह जानता हूँ कि इस क्षेत्र के लोगों के बीच महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर एक 'प्रतिमान' महाविद्यालय के रूप में ख्याति प्राप्त कर चुका है। यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा की एक ऐसी प्रयोगशाला है, जहाँ अध्ययन-अध्यापन के नित-नूतन प्रयोग के साथ न केवल विद्यार्थी गढ़े जाते हैं अपितु वह आदर्श शिक्षकों की नर्सरी भी है। महाविद्यालय प्रशासन में छात्र-सहभाग, शिक्षकों का विद्यार्थियों द्वारा मूल्यांकन तथा विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन का प्रयोग उच्च शिक्षा में निःसन्देह नये प्रतिमानों की स्थापना का सफल प्रयास ही है।

आत्म विस्मृति की शिकार भारतीय शिक्षा जगत में 'भारत' की जगह भारतीय परिसर में 'समावर्तन संस्कार' का आयोजन हिन्दू संस्कृति के जीवन-मूल्यों का युवा पीढ़ी को संदेश देने का एक अभिनव प्रयास है। महाविद्यालय परिवार को समावर्तन संस्कार समारोह के आयोजन एवं विद्यार्थियों के सफलतम जीवन की हार्दिक शुभकामना।

कृष्ण गोपाल

मुख्य अतिथि

डॉ० कृष्ण गोपाल जी

भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली उत्तर प्रदेश के मथुरा में आज से सत्तावन वर्ष पूर्व भारत माता की गोद में आये कृष्ण गोपाल आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सहसर कार्यवाह के रूप में डॉ० कृष्ण गोपाल जी के नाम से देश भर के हिन्दुत्व प्रहरी स्वयंसेवकों के बीच अपनी अनूठी कार्य पद्धति एवं सहज, सरल व्यक्तित्त्व तथा ज्ञान मंडित विनम्रता के कारण अत्यन्त लोकप्रिय हैं। डॉ० कृष्ण गोपाल जी प्रारम्भ से ही मेधावी छात्र रहे। आगरा विश्वविद्यालय आगरा से एम०एस-सी० प्रथम श्रेणी में, प्रावीण्य सूची में द्वितीय स्थान के साथ वनस्पति शास्त्र की शिक्षा पूरी कर डॉ० भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा से ही सी०एस०आई०आर० से जूनियर एवं सीनियर फेलोशिप प्राप्त की। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनकी प्रतिभा और मेधा, उनकी इन उपलब्धियों से प्रमाणित हो चुकी थी। वे एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक होने की पूर्ण दक्षता रखते हैं। अपने निजी जीवन के भौतिक सुख-सुविधाओं के लिए पैसा कमाने की होड़ में अपनी इन शैक्षिक उपलब्धियों के बल पर वे किसी से पीछे न होते और अपनी घर-गृहस्थी के साथ करोड़ों की भीड़ में खो जाते। किन्तु यह न तो उन्हें मंजूर था और न ही विधाता को। ईश्वर ने तो उन्हें भारत माता की सेवा के लिए भेजा है। अतः उन्होंने आजीवन अविवाहित रहते हुए अपना सम्पूर्ण जीवन भारत माता की सेवा में समर्पित कर दिया।

वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सम्पर्क में आए और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक बन गये। अलीगढ़ से प्रचारक जीवन की शुरूआत कर वे अपनी योग्यता, क्षमता एवं सेवाभाव के कारण शीघ्र ही आगरा के विभाग प्रचारक बने। कुछ वर्षों तक उन्हें माननीय हो.वे. शेषाद्रि जी के सहयोगी के रूप में कार्य करने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसी बीच उन्हें भगवान शिव की नगरी काशी को केन्द्र बनाकर पूर्वी उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य करने भेज दिया गया। क्रमशः वे सम्भाग प्रचारक, सह प्रान्त प्रचारक रहते हुए शीघ्र ही प्रान्त प्रचारक का दायित्त्व संभाल लिया।

भारत की पहचान हिन्दू समाज को नजदीक से देखने वाले माननीय कृष्ण गोपाल जी के मन में हिन्दू समाज के दलित, अस्पृश्य एवं वनवासी-गिरिवासी बन्धु-बान्धवों के प्रति हिन्दू समाज का व्यवहार पीड़ा देने लगा और वे इस विकृति से जूझने लगे। धीरे-धीरे उपर्युक्त सामाजिक समस्याएं उनके अध्ययन और लेखन का केन्द्र बनती गई। इसी बीच २००३ ई० में उन्हें पूर्वोत्तर प्रान्तों का सह क्षेत्र प्रचारक बना दिया गया तथा शीघ्र ही वे क्षेत्र प्रचारक घोषित कर दिये गये। इस निर्णय से उन्हें भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में सेवा का अवसर मिला। वे गोहाटी को केन्द्र बनाकर पूर्वोत्तर राज्यों में भारत की एकता-अखण्डता को अक्षुण्ण बनाये रखने वाले मूल तत्त्व सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का ध्वज लेकर सेवाभावी स्वयंसेवक के रूप में समर्पित हो गये और भारत माता की सेवा में समर्पित भारत माता के इस सपूत को मार्च २०१२ ई. में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का सहसर कार्यवाह बना दिया गया।

माननीय कृष्ण गोपाल जी समाजसेवी होने के साथ-साथ भारतीय समाज एवं राष्ट्र की मौलिक समझ रखते हैं। भारत की राष्ट्रीय सामाजिक समस्याओं पर उनकी पैनी नजर रहती है और इन समस्याओं के समाधान के वे मौलिक चिन्तक भी हैं। वस्तुतः वे एक विचारक एवं मौलिक चिन्तक हैं। 'डॉ० अम्बेडकरः व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व', 'अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी : ए ट्रूथ ऑन ट्रायल' तथा 'भारतीय संत परम्परा और समाजिक समरसता' उनकी प्रकाशित अत्यन्त लोकप्रिय तथा प्रतिष्ठित पुस्तकें हैं, जिन्हें पढ़कर देश भर में अकादमिक क्षेत्र के, बड़ी संख्या में इनके प्रशंसक हैं।

आज समावर्तन संस्कार समारोह में ऐसे समाजसेवी, राष्ट्रभक्त, भारत माता की सेवा में सम्पूर्ण जीवन का होम करने वाले मनीषी को मुख्य अतिथि के रूप में पाकर महाविद्यालय परिवार अत्यन्त हर्षित, आह्लादित एवं गौरवान्वित है।

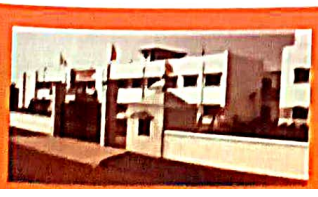

दो शब्द ...

गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् जैसे वटवृक्ष की एक छोटी सी शाखा के रूप में गोरखपुर महानगर के पूर्वी-उत्तरी छोर पर ग्रामीण परिवेश में स्थित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय अपनी यात्रा के आठ वर्ष पूर्ण कर रहा है। महाविद्यालय का छठवाँ बैच स्नातक शिक्षा तथा दूसरा बैच स्नातकोत्तर शिक्षा पूर्ण कर इस वर्ष विश्वविद्यालयी परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के अगले पड़ाव पर जाने हेतु तैयार है। भारत के लगभग सवा अरब लोगों में हमारे विद्यालय से स्नातक-स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी अब और ऐसे नागरिक होंगे जिनकी जीवन-दृष्टि की रचना में हमारे महाविद्यालय का भी किंचित योगदान है। हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन के तीन से पाँच वर्ष का एक चौथाई समय हमारे महाविद्यालय परिसर में गुजरा है। महाविद्यालय परिसर में बीते इन क्षणों का हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा यह तो समय बतायेगा और वही हमारी उपलब्धि होगी।

आज का समावर्तन संस्कार समारोह इस बात का सूचक है कि हम अपने विद्यार्थियों का एक योग्य नागरिक के रूप में कैसा विकास चाहते हैं। वर्तमान में भारत की शिक्षित युवा पीढ़ी का अधिकांश हिस्सा भौतिकवादी पाश्चात्य संस्कृति के आकर्षण के दिवा स्वप्न में डूबा हुआ है। सत्तावादी भारतीय राजनीति ने भारतीय धर्म-संस्कृति को साम्प्रदायिकता का चोला पहनाकर उसके वास्तविक स्वरूप पर भ्रम का आवरण चढ़ा दिया है। परिणामतः सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की डोर कमजोर हुई है। परिवार संस्था भी कमजोर हो रही है। गाँव वीरान होते जा रहे हैं। महानगरीकरण के रूप में असन्तुलित विकास का भयावह चित्र सामने है। भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध का बढ़ता ग्राफ प्रभावहीन होते भारतीय जीवन-मूल्य के ही सूचक हैं।

किसी भी राष्ट्र का वर्तमान और भविष्य उस देश की शिक्षा प्रणाली और उसके स्वरूप पर निर्भर करता है। डी.एस. कोठारी इसी बात को कह रहे थे कि भारत का भविष्य कक्षाओं में पलता है। किन्तु भारत का दुर्भाग्य है कि आजादी के साढ़े छः दशक बाद भी हम मैकाले के भूत से शिक्षा को आजाद नहीं करा पाये। मैकाले द्वारा प्रतिष्ठित शिक्षा नीति आज तक प्रभावी है और उसके उद्देश्य-'पाश्चात्य शिक्षा व विचारों के प्रभाव से ऐसे भारतीय पैदा करना जो बौद्धिक दृष्टि से गुलाम हों'-को पूरा करने में ही लगी हुई है। 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' के नाम पर भारत की सत्ता देश की युवा पीढ़ी को गुमराह करने वाली शिक्षा पद्धति की ही प्रतिष्ठापक है। किन्तु मैकाले की शिक्षा नीति और स्वतन्त्र भारत के सत्ताधीशों द्वारा शिक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों की अर्थी सजाने पर छाती पीटते रहने से क्या होने वाला है? हम अपने प्रयासों से, जितना सम्भव है उनके प्रयासों को, कुछ शिक्षण संस्थानों में ही सही निष्फल कर सकते हैं और भारतीय संस्कृति एवं जीवन-मूल्य के प्रति थोड़े ही समूह में सही, युवाओं में आत्म सम्मान जागृत कर सकते हैं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना परतन्त्र भारत में (१९३२ ई.) गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने उपर्युक्त उद्देश्यों से ही की थी। भारतीय संस्कृति और उसके जीवन मूल्यों तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति भारत की युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के प्रयास के साथ प्रतिष्ठित एवं विकसित होता हुआ महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं उनकी यशस्वी परम्परा के सपनों को पूरा करने में कहाँ तक सफल है, इसका मूल्यांकन गोरक्षपीठ और समाज करेगा। तथापि 'समावर्तन संस्कार समारोह' हमारे वैचारिक अधिष्ठान का ही हिस्सा है। हिन्दू जीवन दर्शन के षोडश संस्कारों में 'समावर्तन संस्कार' का मानव जीवन के संस्कारों में महत्त्वपूर्ण स्थान है। आज के अवसर पर अपने विद्यार्थियों के यशस्वी जीवन की हार्दिक शुभकामना। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थियों की जीवनयात्रा में महाविद्यालय परिसर का अल्पकालिक यथार्थ किसी न किसी रूप में अवश्य झलकता रहेगा।

माघ, शुक्ल, १२, विक्रम संवत् २०६९
(२२ फरवरी, २०१३ ई.)

(प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (सत्र : २०१२-१३)

महाविद्यालय में वृक्षारोपण :

७ जुलाई, २०१२ को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चरगावाँ ब्लाक प्रमुख श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह ने सागौन के १० पौधों को लगाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० प्रदीप कुमार राव, कार्यक्रम अधिकारी, तिनकोनिया रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी श्री जयराम सुमन, शिक्षक एवं स्वयं सेवक/सेविकाओं के द्वारा पौधों का रोपण किया गया।

महाविद्यालय में वृक्षारोपण

सत्रारम्भ :

शैक्षिक पञ्चांग के अनुसार १६ जुलाई से स्नातक स्तर पर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य भाग दो व तीन तथा स्नातकोत्तर स्तर पर रसायनशास्त्र एवं प्राचीन इतिहास अन्तिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ की गई। १ अगस्त से स्नातक एवं स्नातकोत्तर भाग एक की कक्षाएं प्रारम्भ हुई।

देश विभाजन की पूर्व संध्या पर आयोजित व्याख्यान

नवागन्तुक स्वागत समारोह :

१ अगस्त को प्रथम वर्ष के सभी छात्र-छात्राओं के स्वागत हेतु द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं द्वारा भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। स्वागत समारोह में रैगिंग जैसी अमानवीय कृत्यों से विगत वर्षो की भाँति परिसर वातावरण को अक्षुण्ण बनाये रखने का संकल्प लिया गया।

देश विभाजन की पूर्व संध्या पर समारोह :

देश विभाजन की पूर्व संध्या पर १३ अगस्त को प्रतिवर्ष की भाँति "भारत विभाजन के गुनहगार" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि गया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गया (बिहार) के अवकाश प्राप्त शिक्षक डॉ० महेश कुमार शरण श्रीवास्तव थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ० प्रदीप कुमार राव तथा संचालन डॉ० शुभ्रांशु शेखर सिंह ने किया।

शिक्षक संघ चुनाव :

१४ अगस्त को महाविद्यालय में शिक्षक संघ का चुनाव सम्पन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष डॉ० विजय कुमार चौधरी, उपाध्यक्ष श्री सुभाष कुमार गुप्ता, महामंत्री श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी एवं कोषाध्यक्ष श्री पुरूषोत्तम पाण्डेय निर्वाचित हुए।

स्वतंत्रता दिवस समारोह :

स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व १५ अगस्त को महाविद्यालय में उत्साह पूर्वक ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ मनाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत देशप्रेम से ओत-प्रोत प्रस्तुतियाँ एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान के प्रति जागरूकता से सम्बन्धित कार्यक्रमों के पश्चात् वन्देमातरम् के साथ समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह में मुख्य

स्वतंत्रता दिवस समारोह

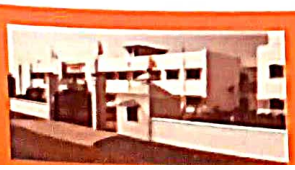

अतिथि के रूप में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह का मार्गदर्शन भी विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ।

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान-माला :

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की स्मृति में प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी २० अगस्त से २६ अगस्त तक साप्ताहिक व्याख्यान-माला का आयोजन किया गया। २० अगस्त को इस साप्ताहिक व्याख्यान-माला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ० हरि सिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर के दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय दर्शनशास्त्र परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री प्रो० अम्बिका दत्त शर्मा, कार्यक्रम के अध्यक्ष गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी, सदर सांसद गोरखपुर पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज, मुख्य वक्ता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो० उदय प्रताप सिंह रहे। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध मिश्र तथा आभार भौतिकी प्रवक्ता श्री संतोष कुमार ने किया।

महाविद्यालय में स्वैच्छिक श्रमदान करते छात्र

व्याख्यान-माला के उद्घाटन सत्र में अतिथि

२१ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्यान-माला के दूसरे दिन ''भारत की ज्ञान परम्परा: धर्मशास्त्र'' विषय पर मुख्य वक्ता जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संस्कृत विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० संतोष शुक्ला ने अपना शोध पूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ० बाल मुकुन्द पाण्डेय, संचालन जयहिन्द यादव एवं आभार इतिहास के प्रवक्ता डॉ० महेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

२२ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्या-माला के तीसरे दिन ''राष्ट्रीय चेतना और स्वामी विवेकानन्द'' विषय पर मुख्य वक्ता पूर्व प्राचार्य एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ० वेद प्रकाश पाण्डेय ने अपना शोध पूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो० एस०सी०बोस, संचालन मनु कुमार सैनी एवं आभार प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री लोकेश कुमार प्रजापति ने किया।

२३ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्यान-माला के चौथे दिन ''सितारों की दुनिया'' विषय पर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भौतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो० ध्रुवचन्द्र श्रीवास्तव ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसी दिन ''शून्य एक विवेचन'' विषय पर मदन मोहन मालवीय पी०जी० कालेज, भाटपाररानी के गणित विभाग के उपाचार्य डॉ० श्री कृष्ण देव दूबे ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन मनीष कुमार त्रिपाठी एवं आभार रसायनशास्त्र के प्रवक्ता डॉ० राम सहाय ने किया।

महाविद्यालय में स्वैच्छिक श्रमदान करती छात्राएं

व्याख्यान-माला के समापन समारोह में अतिथि

२४ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्यान-माला के पाँचवे दिन "वैदिक संहिताओं में जीवन मूल्य" विषय पर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के संस्कृत विभाग के आचार्य प्रो० मुरली मनोहर पाठक ने अपना शोध पूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो० महेश शरण श्रीवास्तव, संचालन हरिद्वार प्रजापति एवं आभार महाविद्यालय के छात्र जयहिन्द यादव ने किया।

२५ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्यान-माला के छठवें दिन "२१ वीं शताब्दी में भारत की नौसैनिक स्त्रातजी" विषय पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो० हरिशरण एवं इसी दिन "इन्सेफेलाइटिस और कुपोषण" विषय पर बी०आर०डी० मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर के मेडिसीन विभाग के प्रभारी डॉ० राज किशोर सिंह ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन दीपक कुमार एवं आभार रक्षा अध्ययन के प्रवक्ता डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह ने किया।

२६ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्यान-माला के समारोप अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति एवं उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो० राम अचल सिंह ने अपने विचार रखे। बतौर मुख्य वक्ता डी०ए०वी० कालेज, कानपुर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ० बालमुकुन्द पाण्डेय, संचालन महाविद्यालय की छात्रा रूष्पा चौहान एवं आभार भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ० विजय कुमार चौधरी ने किया।

क्रीड़ा प्रतियोगिता : पुरस्कार वितरण

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ कैनवास बाल क्रिकेट प्रतियोगिता :

२८ अगस्त, २०१२ को ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ कैनवास बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें ८ विद्यालयों की पुरूष टीमें सम्मिलित हुई। प्रतियोगिता का उद्घाटन दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर की रक्षा अध्ययन विभाग के उपाचार्य मेजर डॉ. श्री भगवान सिंह ने किया। इस प्रतियोगिता में महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, गोलघर, गोरखपुर विजेता एवं महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर उप विजेता घोषित हुए। विजेता एवं उप विजेता टीमों को डॉ० विजय कुमार चौधरी द्वारा पुरस्कृत किया गया।

छात्रसंघ चुनाव पश्चात् उल्लास में विद्यार्थी

छात्रसंघ चुनाव :

३१ अगस्त को महाविद्यालय में छात्र संघ का विधिवत् चुनाव सम्पन्न हुआ। योग्यता एवं उपस्थिति के आधार पर छात्र संघ प्रतिनिधियों का चुनाव हुआ। उसके उपरान्त उनमें से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं महामंत्री का निर्वाचन महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा मतदान करके किया गया। अध्यक्ष पद पर श्री जयहिन्द यादव, उपाध्यक्ष पद पर श्री राहुल कुमार शर्मा एवं महामंत्री पद पर श्री हरिद्वार प्रजापति चुने गये। समस्त चुनावी प्रक्रिया छात्रसंघ

प्रभारी डॉ० शिव कुमार बर्नवाल की देख-रेख में सम्पन्न हुई।

अंग्रेजी कक्षाओं का संचालन :

महाविद्यालय में जुलाई से सोम, मंगल एवं बुध को अंग्रेजी सीखने की कक्षाओं का संचालन शुरू हुआ। जिसमें एम०जी० इण्टर कालेज के सेवानिवृत्त शिक्षक श्री रोहिताश्व श्रीवास्तव ने यहाँ के शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अंग्रेजी का प्रशिक्षण शुरू किया।

शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अंग्रेजी पढ़ाते श्री रोहिताश्व श्रीवास्तव

व्याख्यान :

१ सितम्बर को "जम्मू कश्मीर का सच" विषय पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यकारिणी के प्रमुख सदस्य एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केन्द्र के प्रमुख श्री अरूण कुमार ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० अविनाश प्रताप सिंह तथा आभार श्री लोकेश कुमार प्रजापति ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान देते श्री अरूण कुमार

शिक्षक दिवस :

५ सितम्बर को शिक्षक दिवस के अवसर पर मनु कुमार सैनी, रामेश्वर मणि, अवनीश पाण्डेय, पवन कुमार गुप्ता, शीबा वर्मा, श्रीभावती, प्रमोद कुमार, विनय कुमार यादव, सन्तोष कुमार प्रजापति, अंशु रश्मि, काजल सोनकर, ज्योति सिंह, जयहिन्द यादव, हरिद्वार प्रजापति, राहुल कुमार शर्मा, एवं आदित्य कुमार आदि छात्र-छात्राओं ने कक्षाएं पढ़ाकर शिक्षक दिवस को मनाया। इसमें छात्रसंघ भी पूर्णतः संलग्न रहा। वस्तुतः इस दिन महाविद्यालय का संचालन विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

संगोष्ठी :

३० सितम्बर को गोरक्षनाथ मन्दिर में चल रहे साप्ताहिक ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ श्रद्धांजली समारोह के अवसर पर "छुआ-छूत एक सामाजिक : अभिशाप" विषय पर महाविद्यालय द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रस्ताविकी पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महराज, मुख्य अतिथि महन्त नृत्य गोपालदास जी महराज, अध्यक्षता गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी एवं आभार महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा किया गया।

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ श्रद्धांजलि समारोह :

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी की पुण्य तिथि समारोह में महाविद्यालय परिवार ने गोरक्षनाथ मन्दिर के सभागार में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में सम्मिलित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इसी समारोह में महाविद्यालय की वार्षिक शोध पत्रिका "विमर्श २०१२" का विमोचन किया गया।

विमर्श - २०१२ का विमोचन करते पूज्य सन्तगण

अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस :

८ सितम्बर को अन्तरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाईयों (महाराणा प्रताप, गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं दिग्विजयनाथ) के स्वयं सेवकों/सेविकाओं ने

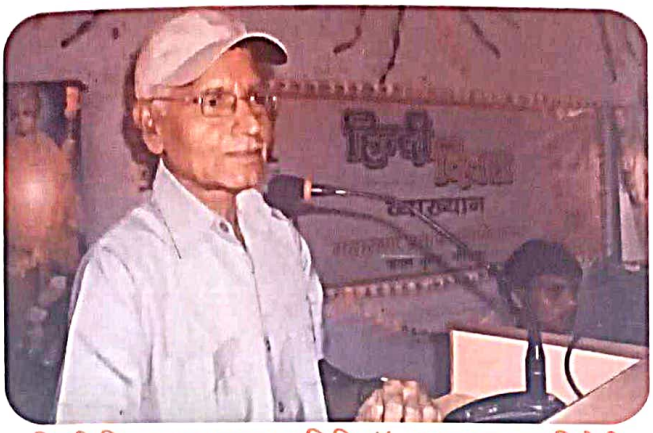

हिन्दी दिवस पर मुख्य अतिथि डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी

साक्षरता के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए रैली निकाली। यह रैली महाविद्यालय से ग्राम हसनगंज, जंगल तिकोनिया, जंगल धूसड़ से होते हुए पुनः महाविद्यालय में पहुँच कर पूर्ण हुई।

कर्मचारी-संघ चुनाव :

१२ सितम्बर को महाविद्यालय में कर्मचारी-संघ का चुनाव सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष श्री संजय कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष श्री लालसा, महामंत्री श्री जोगिन्दर एवं कोषाध्यक्ष श्री राम रतन चुने गये।

हिन्दी दिवस :

१४ सितम्बर को महाविद्यालय में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व संकायाध्यक्ष एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ० आद्या प्रसाद द्विवेदी ने अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन श्री जयहिन्द यादव एवं आभार हिन्दी की प्रवक्ता डॉ० आरती सिंह ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस :

२४ सितम्बर को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों ईकाइयों (महाराणा प्रताप, गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं दिग्विजयनाथ) द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस मानाया गया। जिसमें मुख्य वक्ता दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ० शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी श्री लोकेश कुमार प्रजापति तथा आभार डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन :

२ अक्टूबर को महाविद्यालय में शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में अध्यक्ष डॉ० त्रियुगी नारायण मिश्र, उपाध्यक्ष श्री विजय कुमार साहनी, महामंत्री श्री महेश कुमार सैनी व सचिव डॉ० प्रवीन्द्र कुमार चुने गये। सदस्य के रूप में श्री रमेश चन्द्र श्रीवास्तव, श्री सुधाकर त्रिपाठी, श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्रीमती राजकुमारी पाण्डेय, श्रीमती ममता यादव, श्रीमती उषादेवी, श्री रूदल शर्मा श्री मनोज शर्मा, श्री दयाशंकर यादव, श्री लाकई प्रसाद, श्री अखिलेश शुक्ला व श्री ज्ञानेश्वर मणि चुने गये।

२ अक्टूबर : शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन

पुरातन छात्र-परिषद चुनाव :

२ अक्टूबर को ही महाविद्यालय में पुरातन छात्र-परिषद का वार्षिक सम्मेलन व चुनाव सम्पन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष पद पर श्री राकेश कुमार, उपाध्यक्ष पद पर श्री सचिन चौहान एवं महामंत्री पद पर श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह चुने गए। समस्त चुनाव डॉ० शिव कुमार बर्नवाल के देख-रेख में सम्मन्न हुआ।

राष्ट्रीय संगोष्ठी :

६-१० अक्टूबर को महाविद्यालय में भारतीय इतिहास संकलन समिति, मानविकी और महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में "भारतीय राष्ट्रीयता एवं संत परम्परा" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित साहित्यकार मा. नरेन्द्र कोहली, अध्यक्षता गोरक्षपीठ उत्तराधिकारी एवं सदर सांसद पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज, विशिष्ट अतिथि पूर्व कुलपति प्रो० उदय प्रताप सिंह रहे। संचालन डॉ० ओमजी उपाध्याय ने किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन में अति

१० अक्टूबर को राष्ट्रीय संगोष्ठी के समारोप अवसर पर मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो० अमर सिंह, अध्यक्षता अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो० शिवाजी सिंह तथा संचालन प्राचार्य डॉ० प्रदीप कुमार राव ने किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी में योगी आदित्यनाथ जी महराज ने "भारतीय राष्ट्रीयता एवं बाबा गम्भीरनाथ ", मा. नरेन्द्र कोहली ने "भारतीय राष्ट्रीयता एवं स्वामी विवेकानन्द", प्रो.यू.पी. सिंह ने "भारतीय राष्ट्रीयता एवं महन्त दिग्विजयनाथ", डॉ. विश्वनाथ मिश्र ने "धर्मशास्त्रीय परम्परा में राष्ट्रीय अवधारणा", डॉ. बलवान सिंह ने "भारतीय राष्ट्रीयता एवं महर्षि रमण", डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने "भारतीय राष्ट्रीयता एवं स्वामी तुलसीदास", डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी ने "भारतीय राष्ट्रीयता एवं सिख गुरु", प्रो. मुरली मनोहर पाठक ने "भारतीय राष्ट्रीयता एवं आदिशंकराचार्य", डॉ. ओमजी उपाध्याय ने "भारतीय राष्ट्रीयता एवं गुरु गोरक्षनाथ", डॉ. योगेन्द्र पताप सिंह ने "मुस्लिम सन्त एवं भारतीय राष्ट्रीयता", डॉ. संतोष शुक्ला ने "भारतीय राष्ट्रीयता एवं गुरु गोरक्षनाथ", डॉ. अरूणकान्त त्रिपाठी ने "संत परमपराः लोकमंगल और राष्ट्रीयता", प्रो. रेखा चतुर्वेदी ने "गुरु गोविन्द सिंह का राष्ट्र चिन्तन", प्रो. शिवाजी सिंह ने "राष्ट्र की अवधारणा" एवं प्रो. विपुला दुबे ने "भारतीय राष्ट्रीयता एवं महर्षि वाल्मीकि" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किये।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समारोप में अतिथि

विशिष्ट व्याख्यान :

१९ अक्टूबर को बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर के रसायन शास्त्र के उपाचार्य डॉ० योगेन्द्र पाल कोहली ने "विज्ञान के क्षेत्र में जगदीश चन्द्र बोस का योगदान" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। यह व्याख्यान महाविधालय के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित किया गया। व्याख्यान का संचालन डॉ० शिव कुमार बर्नवाल तथा आभार डॉ० शालिनी सिंह द्वारा किया गया।

व्याख्यान देते हुए डॉ. वाई. पी. कोहली

वॉलीबाल प्रतियोगिता :

१८ नवम्बर को महाविद्यालय में योगीराज बाबा गंभीरनाथ मंडलीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेल का शुभारम्भ अन्तर्राष्ट्रीय वॉलीबाल रेफरी श्री बैद्यनाथ मिश्र ने फीता काटकर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। जिसमें पुरूष वर्ग की ७ टीमें तथा महिला वर्ग की ४ टीमें सम्मिलित हुई। महिला वर्ग में डी०वी०एन०पी०जी० कालेज तथा पुरूष वर्ग में पाइका केन्द्र पनियरा, महराजगंज की टीमें विजयी हुई। जिनमें महिला वर्ग के विजेता और उपविजेता टीम को कीम फ्यूचर

वॉलीबाल प्रतियोगिता

विजन सर्विसेज लि. गोरखपुर के मैनेजर श्री डी०एस० सिंह तथा पुरूष वर्ग के विजेता एवं उपविजेता टीम को प्राचार्य डॉ० प्रदीप कुमार राव तथा डॉ० विजय कुमार चौधरी ने पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता के दौरान ग्राम तिनकोनिया के प्रधान श्री राजकुमार, जंगल धूसड़ ग्राम के प्रधान प्रतिनिधि श्री संजीव गुप्ता, जंगल छत्रधारी के प्रधान प्रतिनिधि श्री संतोष त्रिपाठी एवं महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य श्री ब्रह्मदेव यादव भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस :

१६ नवम्बर को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की तरफ से राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ० अविनाश प्रताप सिंह एवं वर्तमान कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती कविता मन्ध्यान ने अपने विचार व्यक्त किए।

प्रश्नमंच एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता :

२६ नवम्बर को महाविद्यालय में प्रश्नमंच एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रश्न मंच में ५० और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में ४५ छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रश्नमंच प्रतियोगिता में अभिषेक कुमार दुबे, प्रदीप पाण्डेय, सुजीत कुमार सिंह एवं पवन कुमार गुप्ता की टीम सर्वश्रेष्ठ रही। वहीं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में मनोज कुमार चौहान प्रथम, प्रदीप पाण्डेय द्वितीय एवं शंकर निषाद तृतीय स्थान प्राप्त किये। अभिषेक कुमार दुबे तथा पवन कुमार गुप्ता को सान्त्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

रैली में छात्र-छात्राएं

भाषण प्रतियोगिता :

३० नवम्बर को महाविद्यालय में "आर्गेनाइज्ड करप्शन इन ए थ्रेट टू इण्टरनल सेक्यूरिटी" विषय पर अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें २५ छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें प्रदीप पाण्डेय प्रथम, आँचल श्रीवास्तव द्वितीय, एवं कृष्ण कुमार गुप्ता तृतीय स्थान प्राप्त किये।

व्याख्यान देती डॉ. (श्रीमती) मीरा यादव

विशिष्ट व्याख्यान :

१ दिसम्बर को मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर की प्रवक्ता डॉ० (श्रीमती) मीरा यादव ने "मालीकूलर वाइब्रेशन" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान का संचालन डॉ० राम सहाय एवं आभार डॉ० मनीषा कपूर के द्वारा किया गया।

विश्व एड्स दिवस :

१ दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना तथा रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में एड्स से बचाव हेतु जनजागरुकता उत्पन्न करने के लिए एक विशाल रैली निकाली गई। यह रैली तिनकोनिया नं. ३, मंझरिया, हसनगंज होते हुए पुनः महाविद्यालय परिसर में पहुँची जहाँ रैली का समारोप हुआ।

वॉलीबाल प्रतियोगिता :

१ दिसम्बर को ही महाविद्यालय में वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जो टीम 'ए' एवं टीम 'बी' के बीच सम्पन्न हुआ। जिसमें टीम 'ए' के सदस्य कर्मनाथ पासवान, राज कमल चौहान, देवेन्द्र प्रताप सिंह, आशीष राय, रोहित त्रिपाठी, अमित बच्चन विजेता तथा टीम 'बी' के सदस्य सिद्धार्थ शुक्ल, सुजीत कुमार, अंकुर कुशवाहा, विशाल तिवारी, अशोक, संजय उप विजेता घोषित किये गये।

शोभा यात्रा में झाँकी

संस्थापक समारोह ४ से १० दिसम्बर :

४ दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक समारोह के उद्घाटन समारोह में निकाली जाने वाली शोभा यात्रा में महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस वर्ष विद्यार्थियों द्वारा महंगाई, एफ०डी०आई० के विरूद्ध, भारतीय प्रतिरक्षा तंत्र की शक्ति प्रदर्शन, सांस्कृतिक धरोहर एवं पर्यावरण से सम्बन्धित ज्वलन्त मुद्दों पर मनमोहक झाँकियों का प्रदर्शन किया गया। महाविद्यालय को शोभा यात्रा में सर्वश्रेष्ठ अनुशासन एवं पथ संचलन का प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त हुआ।

अनुशासन एवं शोभा-यात्रा का विशिष्ट पुरस्कार प्राप्त करते छात्र/छात्राएं

योग्यता छात्रवृत्ति :

१० दिसम्बर को एम.एस.-सी प्रथम वर्ष, रसायन शास्त्र के अभिषेक कुमार दूबे एवं बबिता कुशवाहा, एम.एस.-सी अन्तिम वर्ष, रसायनशास्त्र की दर्शिका श्रीवास्तव एवं करिश्मा सिंह, बी.एस-सी. भाग-एक की आभा यादव एवं सर्वेश मिश्रा, बी.एस-सी. भाग-दो के अशोक कुमार मछेशिया, सीमा राजभर राय एवं मोहित गुप्ता, बी.एस-सी. भाग-तीन के शुभम गौड़ एवं अभिषेक राय, बी.ए.-भाग-एक की शिखा शर्मा एवं चंचल भारती, बी.ए.-भाग-दो की ज्योति सिंह एवं रामलखन चौरसिया, बी. काम-भाग-एक के विवेकानन्द मौर्य एवं शुभम गुप्ता, बी.काम-भाग-दो के संग्राम सिंह एवं अनामिका कुमारी, बी.काम-भाग-तीन प्रगति पाण्डेय योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की गई तथा एन.सी.सी. एवं खेल स्मृति छात्रवृत्ति बी.काम.भाग दो के श्री नितेश पाण्डेय को दी गई।

मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता :

१७ से २० दिसम्बर तक महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता से सम्बन्धित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

१७ दिसम्बर को निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें ज्योति सिंह ने प्रथम, प्रीति ने द्वितीय एवं मीनाक्षी शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

१८ दिसम्बर को पोस्टर एवं श्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई। पोस्टर प्रतियोगिता में पूनम ने प्रथम, अजय ने द्वितीय, एवं प्रमोद गुप्ता ने तृतीय तथा श्लोगन प्रतियोगिता में भीम मौर्या ने प्रथम, ऋषिकेश ने द्वितीय एवं पूनम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मतदाता जागरूकता : पोस्टर प्रतियोगिता

निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई सीखती महिलाएं

१६ दिसम्बर को गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें धनन्जय विश्वकर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

२० दिसम्बर को एकांकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मनु कुमार सैनी एवं उनकी टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

गुरू गोविन्द सिंह जयंती :

४ जनवरी को गुरू गोविन्द सिंह जयंती की पूर्व सन्ध्या पर महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता डॉ० महेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ० आरती सिंह ने किया।

स्वामी विवेकानन्द जयंती :

१२ जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर युवा सप्ताह समारोह का उद्घाटन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सेण्ट एण्ड्यूज कालेज के अवकाश प्राप्त उपाचार्य एवं साहित्यकार डॉ० कन्हैया ओझा, मुख्य वक्ता श्री प्रकाश प्रियदर्शी ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन मनु कुमार सैनी, प्रस्ताविकी वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी श्री लोकेश कुमार प्रजापति एवं आभार कार्यक्रम अधिकारी डॉ० शुभ्रांशु शेखर सिंह ने किया।

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर डॉ. कन्हैया ओझा

राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर :

१३ जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाईयों (महाराणा प्रताप, गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं दिग्विजयनाथ) का संयुक्त प्रथम एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयं सेवक/सेविकाओं ने चयनित ग्राम का सर्वेक्षण किया। उसके उपरान्त महाविद्यालय परिसर में स्थित बाग में श्रमदान किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता :

प्रतिवर्ष की भाँति विद्यार्थियों में शोध प्रविधि की जानकारी एवं शोध के प्रति उनकी अभिरूचि पैदा करने के उद्देश्य से इस वर्ष भी १७ एवं १८ जनवरी को शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। १७ जनवरी को कला संकाय के कुल १६ छात्र-छात्राओं ने अपने शोध व्याख्यान विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत किए। जिसमें प्रथम स्थान बी०ए० भाग-दो के छात्र अमित कुमार पाण्डेय ने "केन्द्रीय बैंक के कार्य" विषय पर, द्वितीय स्थान बी०ए० भाग-दो के छात्र राजेशिवा मौर्य ने "सूती वस्त्र उद्योग" विषय पर तथा तृतीय स्थान बी०ए० भाग-तीन के छात्र सुजीत कुमार सिंह ने "ग्रीन हाउस इफेक्ट" विषय पर प्राप्त किया।

शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता में व्याख्यान देती छात्रा

१८ जनवरी को विज्ञान संकाय के २१ छात्र-छात्राओं ने अपने शोध व्याख्यान विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत किये। जिसमें प्रथम स्थान बी०एस-सी० भाग-तीन के छात्र रोहित त्रिपाठी ने "लेजर" विषय पर द्वितीय स्थान बी०एस-सी० भाग-दो के छात्र कृष्ण कुमार गुप्ता ने "फाइबर आप्टिक्स" विषय पर तथा तृतीय स्थान बी०एस-सी० भाग-तीन की छात्रा अर्चना सिंह ने "पालीमर" विषय एवं बी०एस-सी० भाग-दो की छात्रा सीमा चौधरी ने "ब्लड" विषय पर प्राप्त किया।

उसी दिन समानान्तर सत्र में वाणिज्य संकाय के कुल १४

छात्र-छात्राओं ने अपने शोध व्याख्यान विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत किए। जिसमें प्रथम स्थान बी०कॉम भाग-दो के छात्र सुधान्शु रंजन त्रिपाठी ने "मुद्रा स्फीति का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव" विषय पर, द्वितीय स्थान बी०कॉम० भाग-दो के छात्र राहुल शर्मा ने "बेरोजगारी एवं उद्यमिता" विषय पर तथा तृतीय स्थान बी०कॉम० भाग-दो की छात्रा अंकिता राय ने "बैंको के कार्यः एक अध्ययन" विषय पर प्राप्त किया। सम्पूर्ण शोध व्याख्यान प्रतियोगिता डॉ० शालिनी सिंह के कुशल नेतृत्व में सम्पादित हुआ।

व्याख्यान प्रतियोगिता

महाराणा प्रताप पुण्य तिथि :

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप की स्मृति में उनकी पुण्य तिथि १९ जनवरी को महाविद्यालय में समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ० रघुनाथ चन्द, अध्यक्षता पूर्व कुलपति एवं उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो० राम अचल सिंह ने की। कार्यक्रम में छात्रसंघ अध्यक्ष श्री जयहिन्द यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन छात्रसंघ उपाध्यक्ष श्री राहुल शर्मा तथा आभार भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ० विजय कुमार चौधरी ने किया।

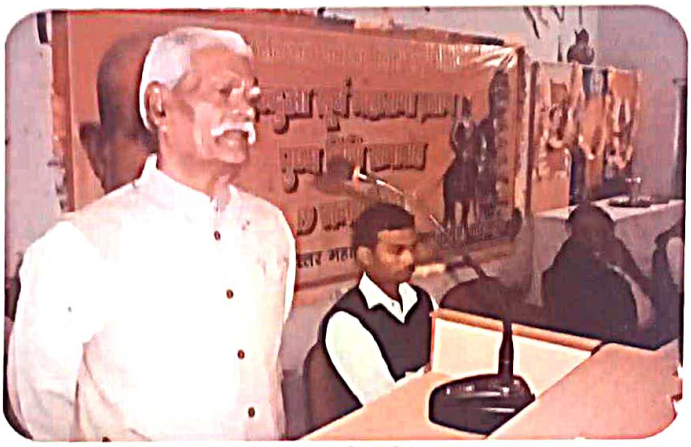
महाराणा प्रताप पुण्यतिथि समारोह के अवसर डॉ. रघुनाथ चन्द महेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने विचार व्यक्त किये।

राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर :

२० जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाईयों (महाराणा प्रताप, गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं दिग्विजयनाथ) का संयुक्त द्वितीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया जिसमें सभी स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित थे।

सुभाष चन्द्र बोस जयंती :

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अद्वितीय योद्धा नेता जी की जयंती के अवसर पर प्रार्थना सभा में महाविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ०

गणतंत्र दिवस :

गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के पश्चात् राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा हर्षोल्लास से गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया।

शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन :

गणतंत्र दिवस के दिन ही महाविद्यालय में द्वितीय शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें शिक्षक-अभिभावक संघ के अध्यक्ष डॉ० त्रियुगी नारायण मिश्र, उपाध्यक्ष श्री विजय कुमार साहनी, महामंत्री श्री महेश कुमार सैनी, सचिव डॉ० प्रवीन्द्र कुमार, प्राचार्य डॉ० प्रदीप कुमार राव, समस्त शिक्षक व सदस्य के रूप में अभिभावक उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस समारोह

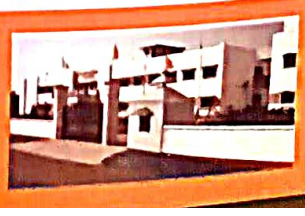

पुरातन छात्र-परिषद बैठक

पुरातन छात्र-परिषद् सम्मेलन :

गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर ही महाविद्यालय में पुरातन छात्र-परिषद् सम्मेलन आयोजित हुआ। जिसमें उपस्थित महाविद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय के उत्तरोत्तर विकास पर गहन विचार विमर्श करते हुए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिये एवं निरन्तर सहयोग का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर :

२७ जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाईयों (महाराणा प्रताप, गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं दिग्विजयनाथ) का संयुक्त तृतीय एक दिवसीय शिविर चयनित गाँव में आयोजित किया गया।

छात्रसंघ साधारण सभा :

प्रतिमाह प्रथम सप्ताह के अन्तिम कार्य दिवस पर छात्रसंघ की साधारण सभा की बैठक छात्रसंघ अध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न होती है। साधारण सभा में समस्त विद्यार्थी, प्राध्यापक एवं प्राचार्य उपस्थित होते हैं। इस सभा में कोई भी विद्यार्थी अपनी समस्या रख सकता है। सभी विद्यार्थियों की समस्याओं का प्राचार्य को समाधान देना होता है। तत्पश्चात् संकल्प सत्र में छात्र कोई तीन संकल्प लेते हैं।

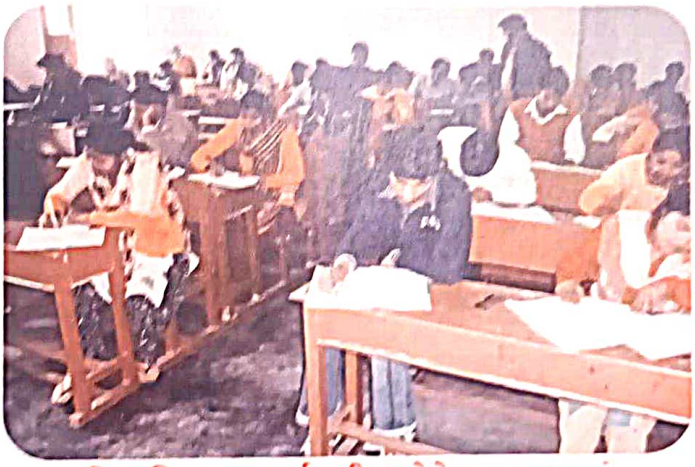

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा देते छात्र/छात्राएं

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा :

महाविद्यालय में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा ५-२० फरवरी तक परीक्षा प्रभारी डॉ० प्रदीप कुमार राव के निर्देशन में सम्पन्न हुई। परीक्षा परिणाम २१ फरवरी, २०१३ को घोषित किया गया। महाविद्यालय की परम्परानुसार प्रत्येक संकाय में प्रथम तीन स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को सत्र २०१३-१४ की प्रवेश समिति का सदस्य मनोनीत किया गया।

सरस्वती पूजन :

१५ फरवरी, २०१३ बसन्त पंचमी के अवसर पर महाविद्यालय में माँ सरस्वती की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा शास्त्रीय विधि द्वारा करके हर्षोल्लास पूर्वक प्राचार्य, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र/छात्राओं द्वारा ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई।

सरस्वती पूजन में प्राध्यापक एवं छात्र/छात्राएं

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर :

राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाईयों (महाराणा प्रताप, गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं दिग्विजयनाथ) का संयुक्त सात दिवसीय शिविर २१-२७ फरवरी, २०१३ तक ग्राम तिनकोनिया न०२ को केन्द्र बनाकर सेखवनिया एवं धूसिया में सम्पन्न होगा।

समावर्तन संस्कार समारोह :

प्रति वर्ष की भाँति अपनी शिक्षा पूरी कर महाविद्यालय से विदा ले रहे विद्यार्थियों के समावर्तन संस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहने हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सहसर कार्यवाह डॉ० कृष्ण गोपाल जी ने सहमति दी। अध्यक्ष के रूप में गोरक्षपीठ

उत्तराधिकारी सदर सांसद एवं महाविद्यालय के प्रबन्धक पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज तथा बतौर विशिष्ट अतिथि पूर्व कुलपति प्रो०यू०पी० सिंह जी की उपस्थिति होगी।

युवा महोत्सव :

२१-२७ फरवरी तक महाविद्यालय में साप्ताहिक युवा महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे- मेहन्दी, रंगोली, पाक-कला, गायन, हास्य-व्यंग्य, पोस्टर, छद्म वेश, नाटक एवं खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर :

४ मार्च, २०१३ को राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाईयों (महाराणा प्रताप, गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं दिग्विजयनाथ) का संयुक्त चतुर्थ एक दिवसीय शिविर होना सुनिश्चित है।

छात्रसंघ साधारण सभा की बैठक

कार्यशाला :

४-५ मार्च, २०१२ को "शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य: एक विमर्श एवं शोध प्रविधि" पर मानविकी, शोध संचयन एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. शिवाजी सिंह ने किया। जिसमें साहू जी महराज कानपुर विश्वविद्यालय के प्रत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. सिंह, गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्रो. अनिल राय, इतिहास विभाग प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी, रक्षा अध्ययन विभाग के प्रो. हर्ष सिन्हा, डी.ए.वी. कालेज कानपुर के, डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह तथा सेवरही महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने विषय विशेषज्ञ की भूमिका का निर्वहन किया।

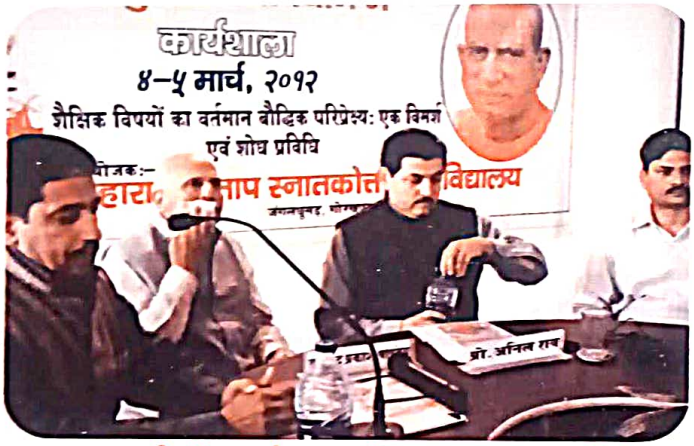

४-५ मार्च की कार्यशाला के उद्घाटन पर अतिथि

११ मार्च, २०१२ को "विष्णु पुराण में राज्य एवं समाज" विषय पर भारतीय इतिहास संकलन समिति गोरक्ष प्रान्त एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें गोरखपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. अशोक श्रीवास्तव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय एवं डॉ. कुँवर बहादुर कौशिक के विशिष्ट व्याख्यान हुए।

प्रस्तावित कार्यशाला :

४-१० मार्च, २०१३ को प्रतिवर्ष की भाँति महाविद्यालय के शिक्षकों के अकादमिक विकास के लिए सात दिवसीय कार्यशाला प्रस्तावित है। जिसमें "भाषा एवं शोध प्रविधि" विषय पर विषय विशेषज्ञों का मार्ग दर्शन मिलेगा। महाविद्यालय के सभी शिक्षक अपना-अपना शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय, डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो. राजवन्त राव, प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी, प्रो. डी. के. सिंह तथा डॉ. शंकर शरण की उपस्थिति रहेगी।

विश्वविद्यालय परीक्षा १५ मार्च २०१३ से प्रस्तावित

११ मार्च की कार्यशाला का उद्घाटन सत्र

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

प्रबन्ध समिति

अध्यक्ष	श्री महन्त अवेद्यनाथ, गोरक्षापीठाधीश्वर
उपाध्यक्ष	प्रो. यू.पी. सिंह, पूर्व कुलपति
प्रबन्धक/सचिव	श्री योगी आदित्यनाथ, सांसद लोकसभा
सदस्य	श्री प्रमोद चौधरी, प्रतिष्ठित व्यवसायी
	श्री धर्मेन्द्रनाथ वर्मा, अधिवक्ता
	श्री पारसनाथ मिश्रा, अधिवक्ता
	श्री प्यारे मोहन सरकार, अधिवक्ता
	श्री गोरक्ष प्रताप सिंह, शिक्षाविद्
	श्री योगी कमलनाथ, धर्माचार्य
	डॉ. मयाशंकर सिंह, प्राचार्य
	श्री रामजन्म सिंह, प्रधानाचार्य

शिक्षक-अभिभावक समिति

अध्यक्ष	श्री त्रियुगी नारायण मिश्र (अभिभावक)
उपाध्यक्ष	श्री विजय कुमार साहनी (अभिभावक)
	श्री महेश कुमार सैनी (अभिभावक)
सचिव	डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही (शिक्षक)
सदस्य	श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह (अभिभावक)
	श्री रमेश चन्द्र श्रीवास्तव (अभिभावक)
	श्री सुधाकर त्रिपाठी (अभिभावक)
	श्री रूदल शर्मा (अभिभावक)
	श्री मनोज शर्मा (अभिभावक)
	श्रीमती राजकुमारी पाण्डेय (अभिभावक)
	श्रीमती ममता यादव (अभिभावक)
	श्रीमती ऊषा देवी (अभिभावक)

शिक्षक संघ

अध्यक्ष	डॉ. विजय कुमार चौधरी
उपाध्यक्ष	श्री सुभाष कुमार गुप्ता
महामंत्री	श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी
कोषाध्यक्ष	श्री पुरुषोत्तम पाण्डेय
सदस्य	डॉ.अविनाश प्रताप सिंह
	श्रीमती कविता मन्ध्यान
	श्री लोकेश कुमार प्रजापति
	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
	श्री अनिल कुमार वर्मा

छात्रसंघ

प्रभारी	डॉ. शिव कुमार बर्नवाल	प्रवक्ता
अध्यक्ष	श्री जयहिन्द यादव	बी.काम. भाग-तीन
उपाध्यक्ष	श्री राहुल शर्मा	बी.काम. भाग-दो
महामंत्री	श्री हरिद्वार प्रजापति	बी.काम. भाग-तीन

छात्रसंघ के प्रतिनिधि

श्री अनिल कुमार	बी.ए. भाग- एक	समाजशास्त्र
सुश्री पूनम गुप्ता	बी.ए. भाग एक	भूगोल
सुश्री शीवा वर्मा	बी.ए. भाग- एक	मनोविज्ञान
श्री अमित कुमार तिवारी	बी.ए. भाग- एक	रक्षा अध्ययन
सुश्री मंजू पासवान	बी.ए. भाग- एक	प्राचीन इतिहास
श्री अमिताभ	बी.ए. भाग- एक	इतिहास
सुश्री मीनाक्षी शर्मा	बी.ए. भाग- एक	अंग्रेजी
सुश्री श्रीभावती	बी.ए. भाग- एक	राजनीतिशास्त्र
श्री आलोक कुमार	बी.ए. भाग- एक	हिन्दी
श्री नागेन्द्र साहनी	बी.ए. भाग- एक	अर्थशास्त्र
सुश्री प्रतिमा प्रजापति	बी. ए. भाग-दो	समाजशास्त्र
श्री मनु कुमार सैनी	बी. ए. भाग-दो	भूगोल
श्री ओमकार सिंह	बी. ए. भाग-दो	प्राचीन इतिहास
श्री राजेशिवा मौर्या	बी. ए. भाग-दो	अंग्रेजी
श्री महेन्द्र कुमार	बी. ए. भाग-दो	राजनीतिशास्त्र
श्री रोहित कुमार	बी. ए. भाग-दो	अर्थशास्त्र
श्री देवाशीष शुक्ला	बी. ए. भाग-दो	हिन्दी
सुश्री ज्योति सिंह	बी. ए. भाग-दो	इतिहास
सुश्री रीना चौधरी	बी. ए. भाग-दो	मनोविज्ञान
सुश्री ऋचा सिंह	बी. ए. भाग-दो	रक्षा अध्ययन
सुश्री काजल सोनकर	बी. ए. भाग-तीन	समाजशास्त्र
सुश्री रेखा	बी. ए. भाग-तीन	प्राचीन इतिहास
श्री सुनील भारती	बी. ए. भाग-तीन	अंग्रेजी
श्री शंकर निषाद	बी. ए. भाग-तीन	अर्थशास्त्र
सुश्री रूप्पा चौहान	बी. ए. भाग-तीन	हिन्दी
श्री मोहन कुमार साहनी	बी. ए. भाग-तीन	राजनीति शास्त्र
श्री सुजीत कुमार सिंह	बी. ए. भाग-तीन	भूगोल
श्री मनीष कुमार विश्वकर्मा	बी.एस-सी. भाग-एक	भौतिक विज्ञान
सुश्री अंशु रश्मि	बी.एस-सी. भाग-एक	गणित
श्री शैलेश चौहान	बी.एस-सी. भाग-एक	रसायनशास्त्र
श्री अनिल कुमार सिंह	बी.एस-सी. भाग-एक	प्राणि विज्ञान
सुश्री अनामिका मिश्रा	बी.एस-सी. भाग-एक	वनस्पति विज्ञान
श्री सोनू साहनी	बी.एस-सी. भाग-एक	इलेक्ट्रानिक्स
श्री पंकज तिवारी	बी.एस-सी. भाग-एक	कम्प्यूटर साइंस
श्री राहुल सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो	भौतिक विज्ञान
श्री अशोक कुमार मल्देशिया	बी.एस-सी. भाग-दो	गणित
श्री दुर्गेश सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो	रसायनशास्त्र
श्री अमित कुमार सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो	प्राणि विज्ञान
सुश्री शिखा शर्मा	बी.एस-सी. भाग-दो	वनस्पति विज्ञान
श्री अभिषेक सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो	इलेक्ट्रानिक्स
श्री गौरव कुमार सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो	कम्प्यूटर साइंस
श्री आदित्य कुमार	बी.एस-सी. भाग-दो	सांख्यिकी
सुश्री पूनम सहानी	बी.एस-सी. भाग-तीन	भौतिकी
श्री रोहित त्रिपाठी	बी.एस-सी. भाग-तीन	गणित
श्री अवनीश कुमार पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग-तीन	रसायन विज्ञान
सुश्री स्नेहलता चौहान	बी.एस-सी. भाग-तीन	प्राणि विज्ञान
श्री पुरूषोत्तम यादव	बी.एस-सी. भाग-तीन	वनस्पति विज्ञान
श्री संजय विश्वकर्मा	बी.काम. भाग-एक ग्रुप-ए	वाणिज्य
श्री सिद्धार्थ शुक्ला	बी.काम. भाग-एक ग्रुप-बी	वाणिज्य
श्री अभिषेक राव	बी.काम. भाग-एक ग्रुप-सी	वाणिज्य
श्री संतोष कुमार प्रजापति	बी.काम. भाग-दो ग्रुप-ए	वाणिज्य
श्री राहुल कुमार शर्मा	बी.काम. भाग-दो ग्रुप-बी	वाणिज्य
श्री विमलेश कु. विश्वकर्मा	बी.काम. भाग-दो ग्रुप-सी	वाणिज्य
श्री हरिद्वार प्रजापति	बी.काम. भाग-तीन ग्रुप-ए	वाणिज्य
श्री जयहिन्द यादव	बी.काम. भाग-तीन ग्रुप-डी	वाणिज्य
सुश्री आराधना दीक्षित	एम.एस.-सी.प्रथम सेमेस्टर	रसायनशास्त्र
सुश्री पूजा गुप्ता	एम.एस.-सी. अन्तिम वर्ष	रसायनशास्त्र
सुश्री निशा निषाद	एम.ए.-प्रथम वर्ष	प्राचीन इतिहास

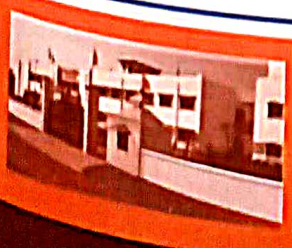

समावर्तन

कर्मचारी संघ

अध्यक्ष	श्री संजय कुमार शर्मा
उपाध्यक्ष	श्री लालसा
महामंत्री	श्री जोगिन्दर
कोषाध्यक्ष	श्री रामरतन
सदस्य	श्री शब्बर शर्मा
	श्री शारदानन्द पाण्डेय
	श्री सुभाष कुमार

पुरातन छात्र परिषद्

प्रभारी	डॉ. शिव कुमार बर्नवाल
अध्यक्ष	श्री राकेश कुमार
उपाध्यक्ष	श्री सचिन कुमार चौहान
सचिव	श्री राघवेन्द्र कुमार
सदस्य	श्री सुधांशु शुक्ला
	श्री वागीश राज पाण्डेय
	श्री राज पाण्डेय
	श्री अरविन्द कुमार शुक्ला
	श्री दीपक कुमार
	श्री संदीप कुमार पाण्डेय
	श्री राजेन्द्र कुमार सिंह
	श्री सुनील कुमार गुप्ता

नियन्ता मण्डल

मुख्य नियन्ता	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह
नियन्ता	श्री सुभाष कुमार गुप्ता
	श्री नन्दन शर्मा
	श्री सुबोध मिश्र
	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
	डॉ. सुनील कुमार मिश्र
	डॉ. राम सहाय

छात्र नियन्ता मण्डल

श्री सुजीत कुमार सिंह	बी. ए. भाग-तीन
श्री जयहिन्द यादव	बी.काम. भाग-तीन
श्री मनु कुमार सैनी	बी.ए. भाग-दो
सुश्री ज्योति सिंह	बी.ए. भाग-दो
सुश्री काजल सोनकर	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री मीनाक्षी शर्मा	बी.ए. भाग-एक
श्री अमिताभ	बी.ए. भाग-एक
श्री देवार्शीष	बी.ए. भाग-दो
श्री अभिषेक राव	बी.काम. भाग-एक

प्रवेश समिति

संयोजक	श्री लोकेश कुमार प्रजापति
सह संयोजक	श्री संतोष कुमार
	डॉ. राजेश शुक्ल
	डॉ. शुभांशु शेखर सिंह
	श्री अनिल कुमार वर्मा

चक्रानुक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों का सहयोग लिया जाता है।

प्रवेश परामर्श समिति

१.	श्री दीपक	एम.एस-सी. भाग-एक
२.	श्री अवनीश पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग-तीन
३.	श्री रोहित त्रिपाठी	बी.एस-सी. भाग-तीन
४.	श्री प्रदीप पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग-तीन
५.	श्री सिकन्दर पटेल	बी.एस-सी. भाग-दो
६.	श्री प्रमोद कुमार गुप्ता	बी.काम. भाग-दो
७.	श्री अमित कुमार पाण्डेय	बी.ए. भाग-दो

प्रवेश समिति मे उन छात्र-छात्राओं को चयनित किया जाता है
जो विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में अपने वर्ग में सर्वोच्च अंक प्राप्त करते हैं।

प्रयोगशाला समिति

प्रभारी	डॉ. आर.एन. सिंह	प्राध्यापक, प्राणि विज्ञान
सदस्य	श्री अवनीश कुमार पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग-तीन
	श्री रोहित त्रिपाठी	बी.एस-सी. भाग-तीन
	सुश्री पूनम साहनी	बी.एस-सी. भाग-तीन
	सुश्री स्नेहलता चौहान	बी.एस-सी. भाग-तीन
	श्री पुरूषोत्तम यादव	बी.एस-सी. भाग-तीन
	श्री अशोक कु. मद्धेशिया	बी.एस-सी. भाग-दो
	श्री दुर्गेश सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो
	सुश्री आराधना दीक्षित	एम.एस-सी. भाग-एक

छात्रा समिति

प्रभारी	सुश्री मनीता सिंह	प्राध्यापक, भौतिकी
सदस्य	सुश्री श्रीभावती	बी.ए. भाग-एक
	सुश्री शीवा वर्मा	बी.ए. भाग-एक
	सुश्री मंजू पासवान	बी.ए. भाग-एक
	सुश्री मीनाक्षी शर्मा	बी.ए. भाग-एक
	सुश्री रीना चौधरी	बी.ए. भाग-दो
	सुश्री ज्योति सिंह	बी.ए. भाग-दो
	सुश्री काजल सोनकर	बी.ए. भाग-तीन

समावर्तन

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

प्रार्थना एवं स्वच्छता समिति

प्रभारी	डॉ. आरती सिंह	प्राध्यापक, हिन्दी
सदस्य	सुश्री प्रतिमा प्रजापति	बी.ए. भाग-दो
	सुश्री अनामिका मिश्रा	बी.एस.सी. भाग-एक
	सुश्री अंशु रश्मि	बी.एस.सी. भाग-एक
	श्री राजेशिवा मौर्य	बी.ए. भाग-दो
	श्री अनिल कुमार	बी.ए. भाग-दो
	श्री नागेन्द्र साहनी	बी.ए. भाग-एक

क्रीड़ा समिति

प्रभारी	श्री संजय कुमार शर्मा	प्रभारी कम्प्यूटर प्रकोष्ठ
सदस्य	श्री संतोष कुमार प्रजापति	बी.काम. भाग-दो
	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला	बी.काम. भाग-एक
	श्री संजय विश्वकर्मा	बी.काम. भाग-एक
	श्री निशान्त सिंह	बी.काम. भाग-दो
	श्री राहुल शर्मा	बी.काम. भाग-दो
	श्री विमलेश कु. विश्वकर्मा	बी.काम. भाग-दो
	श्री शंकर निषाद	बी.ए. भाग-तीन
	श्री राहुल सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो
	श्री अभिषेक सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो

पुस्तकालय तथा सूचना एवं परामर्श समिति

प्रभारी	श्री संतोष कुमार	प्राध्यापक, भौतिकी
	श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी	प्राध्यापक, गणित
सदस्य	श्री पंकज तिवारी	बी.एस-सी. भाग-एक
	श्री मनीष कुमार विश्वकर्मा	बी.एस-सी. भाग-एक
	श्री महेन्द्र कुमार	बी.ए. भाग-एक
	श्री अमित कुमार तिवारी	बी.ए. भाग-एक
	श्री रोहित कुमार	बी.ए. भाग-दो
	श्री मोहन कुमार साहनी	बी.ए. भाग-तीन
	श्री सुशील भारती	बी.ए. भाग-दो

बागवानी समिति

प्रभारी	डॉ. प्रदीप कुमार राव	प्राचार्य
सदस्य	श्री आलोक कुमार	बी.ए. भाग-एक
	श्री महेन्द्र कुमार	बी.ए. भाग-दो
	श्री ओमकार	बी.ए. भाग-दो
	श्री शैलेश चौहान	बी.एस.-सी. भाग-एक
	श्री अभिषेक सिंह	बी.एस.-सी. भाग-दो
	सुश्री शिखा शर्मा	बी.एस.-सी. भाग-दो
	सुश्री स्नेहलता चौहान	बी.एस.-सी. भाग-तीन

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

प्रभारी	सुश्री शालिनी चौधरी	प्राध्यापक, प्रा. इतिहास
	सुश्री पूनम	प्राध्यापक, समाज शास्त्र
सदस्य	सुश्री निशा निषाद	एम.ए. भाग- एक
	सुश्री रूपा चौहान	बी.ए. भाग-तीन
	सुश्री अर्चना भारती	बी.ए. भाग- तीन
	सुश्री रेखा	बी.ए. भाग- तीन
	श्री सुशील भारती	बी.ए. भाग-तीन
	श्री आदित्य कुमार	बी.ए. भाग-दो
	श्री महेन्द्र कुमार	बी.ए. भाग-एक

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

अध्यक्ष	डॉ. प्रदीप कुमार राव	प्राचार्य
सदस्य/वाह्य विशेषज्ञ	प्रो. यू.पी. सिंह	पूर्व कुलपति
	प्रो. रामअचल सिंह	पूर्व कुलपति
सदस्य प्राध्यापक	डॉ. विजय कुमार चौधरी	प्रभारी, भूगोल
	डॉ. आर.एन. सिंह	प्रभारी, प्राणि विज्ञान
	डॉ. शिव कुमार बर्नवाल	प्रभारी, रसायन शास्त्र
	डॉ. शालिनी सिंह	प्राध्यापक, रसा. शास्त्र
	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह	मुख्य नियन्ता
समन्वयक/सचिव	डॉ. अभय कु. श्रीवास्तव	प्रभारी, वनस्पति वि.

गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष	पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज
निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव
शोध समन्वयक	श्री लोकेश कुमार प्रजापति
शोध अध्येता	सुश्री शालिनी चौधरी
शोध सहायक	श्री सुबोध मिश्र
परामर्श समिति	प्रो. यू. पी. सिंह
	प्रो. शिवाजी सिंह
	प्रो. कपिल कपूर
	डॉ. सन्तोष शुक्ला
	प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा
	प्रो. मुरली मनोहर पाठक
	डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह

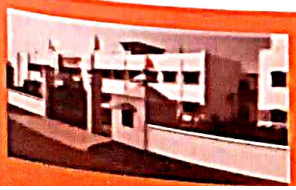

महाविद्यालय परिवार

अध्यक्ष

गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज

प्रबन्धक

पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज

प्राचार्य

डॉ. प्रदीप कुमार राव

डॉ. विजय कुमार चौधरी	प्रभारी	भूगोल विभाग, प्रभारी, कार्यालय
डॉ. रघुवीर नारायण सिंह	प्रभारी	प्राणि विज्ञान विभाग, प्रभारी, प्रयोगशाला
डॉ. शिव कुमार बर्नवाल	प्रभारी	रसायन शास्त्र विभाग, प्रभारी, छात्रसंघ
डॉ. अविनाश प्रताप सिंह	प्रभारी	राजनीतिशास्त्र विभाग, मुख्य नियन्ता
डॉ. शालिनी सिंह	प्रवक्ता	रसायन शास्त्र विभाग
श्री लोकेश कुमार प्रजापति	प्रभारी	प्राचीन इतिहास, कार्यक्रम अधिकारी, रा.से.यो. संयोजक प्रवेश समिति
श्री पुरुषोत्तम पाण्डेय	प्रभारी	अर्थशास्त्र विभाग, वेबसाइट प्रबन्धन
श्रीमती कविता मन्ध्यान	प्रभारी	अंग्रेजी विभाग, कार्यक्रम अधिकारी, रा.से.यो., सिलाई कढ़ाई
श्री संतोष कुमार	प्रभारी	भौतिक विज्ञान विभाग, पुस्तकालय, सूचना एवं परामर्श
डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव	प्रभारी	वनस्पति विज्ञान विभाग, नैक
डॉ. प्रवीन्द्र कुमार	प्रवक्ता	भूगोल विभाग, सचिव, शिक्षक एवं अभिभावक संघ
श्री प्रकाश प्रियदर्शी	प्रभारी	समाजशास्त्र विभाग, सूचना एवं जनसम्पर्क
डॉ. राजेश शुक्ला	प्रभारी	वाणिज्य संकाय, प्रभारी, वाणिज्य संकाय
डॉ. आरती सिंह	प्रभारी	हिन्दी विभाग, प्रभारी, प्रार्थना एवं स्वच्छता समिति
श्री शीकान्त मणि त्रिपाठी	प्रभारी	गणित विभाग, सूचना एवं परामर्श
श्री नन्दन शर्मा	प्रवक्ता	वाणिज्य संकाय
श्री सुभाष गुप्ता	प्रवक्ता	वाणिज्य संकाय, प्रभारी, ई.पी.एफ.
डॉ. मनीषा कपूर	प्रवक्ता	रसायन शास्त्र विभाग
डॉ. शुभांशु शेखर सिंह	प्रभारी	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, कार्यक्रम अधिकारी, रा.से.यो.
श्री अनिल कुमार वर्मा	प्रभारी	इलेक्ट्रानिक विभाग, प्रभारी, विज्ञान संकाय
सुश्री मनीता सिंह	प्रवक्ता	भौतिक विज्ञान विभाग, छात्रा प्रमुख
श्री सुबोध मिश्र	प्रवक्ता	प्राचीन इतिहास विभाग
डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह	प्रभारी	इतिहास विभाग
डॉ. सुनील कुमार मिश्र	प्रभारी	मनोविज्ञान विभाग, प्रभारी, कला संकाय
डॉ. राम सहाय	प्रवक्ता	रसायन शास्त्र विभाग
डॉ. विरेन्द्र तिवारी	प्रभारी	कम्प्यूटर साइंस विभाग, प्रभारी, छात्र कल्याण
सुश्री आम्रपाली	प्रवक्ता	वनस्पति विज्ञान विभाग
सुश्री शालिनी चौधरी	प्रवक्ता	प्राचीन इतिहास विभाग, प्रभारी, सांस्कृतिक कार्यक्रम
श्री प्रतीक दास	प्रवक्ता	गणित विभाग
श्री विनय कुमार सिंह	प्रवक्ता	प्राणि विज्ञान विभाग
सुश्री पूनम	प्रवक्ता	समाजशास्त्र विभाग, सांस्कृतिक कार्यक्रम
श्रीमती कमलावती प्रजापति	प्रशिक्षिका	सिलाई-कढ़ाई

ग्रन्थालयी

श्री शिव प्रसाद शर्मा

तृतीय श्रेणी कर्मचारी

श्री सुभाष कुमार, कार्यालय प्रमुख
श्री लक्ष्मीकान्त दूबे, कार्यालय सहायक
श्री संजय कुमार शर्मा, प्रभारी कम्प्यूटर प्रकोष्ठ एवं क्रीड़ा
श्री प्रदीप यादव, प्रयोगशाला सहायक, वनस्पति विज्ञान विभाग
श्री ओम प्रकाश, प्रयोगशाला सहायक, रसायन शास्त्र विभाग
श्री संतोष श्रीवास्तव, प्रयोगशाला सहायक, भौतिक विज्ञान
श्री राम उमेश साहनी, प्रयोगशाला सहायक, प्राणि विज्ञान विभाग
श्री झब्बर शर्मा, पुस्तकालय सहायक, क्रीड़ा सहायक
श्री अमित कुमार, प्रयोगशाला सहायक, कम्प्यूटर विभाग
श्री महेश कुमार, प्रयोगशाला सहायक, रसायन शास्त्र विभाग
श्री शारदा नन्द पाण्डेय, कम्प्यूटर संचालक
श्री राम रतन, प्रयोगशाला सहायक, भूगोल विभाग

चतुर्थ श्रेणी

श्री विश्वनाथ	परिचर
श्री जोगिन्दर	परिचर
श्री विनोद	परिचर
श्री राजाराम	परिचर
श्रीमती गुड्डी	परिचर
श्रीमती कमलावती	परिचर
श्री लालसा	माली
श्री धर्मवीर	माली
श्री सोखा	चौकीदार

समावर्तन

हमारे प्रयास

- प्रातः सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, वन्देमातरम् एवं राष्ट्रगान के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- प्रत्येक महापुरूष की जयन्ती अथवा पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में उन पर संक्षिप्त परिचयात्मक उद्‌बोधन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि।
- 16 जुलाई से स्नातक/ स्नातकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 1 अगस्त से स्नातक/ स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- प्रति वर्ष पाठ्यक्रम योजना का प्रकाशन एवं तद्‌नुरूप 30 जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण करने की योजना का क्रियान्वयन।
- 16 अगस्त से प्रयोगशालाएं शुरू।
- छात्रसंघ का चुनाव सितम्बर प्रथम सप्ताह तक।
- प्रवेश समिति में छात्र-छात्राएँ सदस्य एवं संयोजक।
- छात्र, छात्राओं, प्राध्यापक, कर्मचारी आदि द्वारा प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान।
- सप्ताह में एक दिन छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन।
- छात्र-छात्राओं का मासि...
- महाविद्यालय प्रशासन ... लय, प्रयोगशाला, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम इ...
- प्रत्येक सोमवार एवं क...
- छात्र-छात्राओं द्वारा शि...
- फरवरी माह में विश्ववि... विशेष सुविधा, प्रवेश
- विश्वविद्यालय पूर्व प... जाना। समिति की सदस्यता, ...
- परीक्षा से पूर्व समावर्त...
- शिक्षकों द्वारा छात्र-छा...
- सत्र में दो बार शिक्षक... ृति व्याख्यान माला।
- प्रतिवर्ष अगस्त माह में...
- नवम्बर माह में शोध व...
- प्रतिवर्ष 'विमर्श' नाम...
- प्रत्येक सत्र में राष्ट्रीय...
- ग्रामीण महिलाओं के स्वावलम्बन हेतु ... सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन।
- महाविद्यालय के समस्त छात्र/छात्राओं एवं ग्रामीण छात्राओं हेतु निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण।
- गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)-273014
कृपया ध्यान दें:-
1. पुस्तक खो देने, फाड़ देने या बरबाद कर देने पर पाठक को उसके बदले में नयी पुस्तक देना होगा या दोगुना मूल्य देना होगा।
2. आवश्यकतानुसार पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा निर्गमित पुस्तक को किसी भी समय लौटाने के समय निर्देश का पालन अनिवार्य होगा।
3. पुस्तक पर किसी तरह का निशान इंक या मार्का द्वारा चिन्ह न लगाएें।
हमें पुस्तक का उसी प्रकार उपयोग करना चाहिए जैसे मधुमक्खी पुष्प का करती है, वह मधु संचित कर लेती है, किन्तु इसे क्षति नही पहुंचाती .. (काल्टन)
पुस्तकें साफ एवं सुरक्षित रखें।

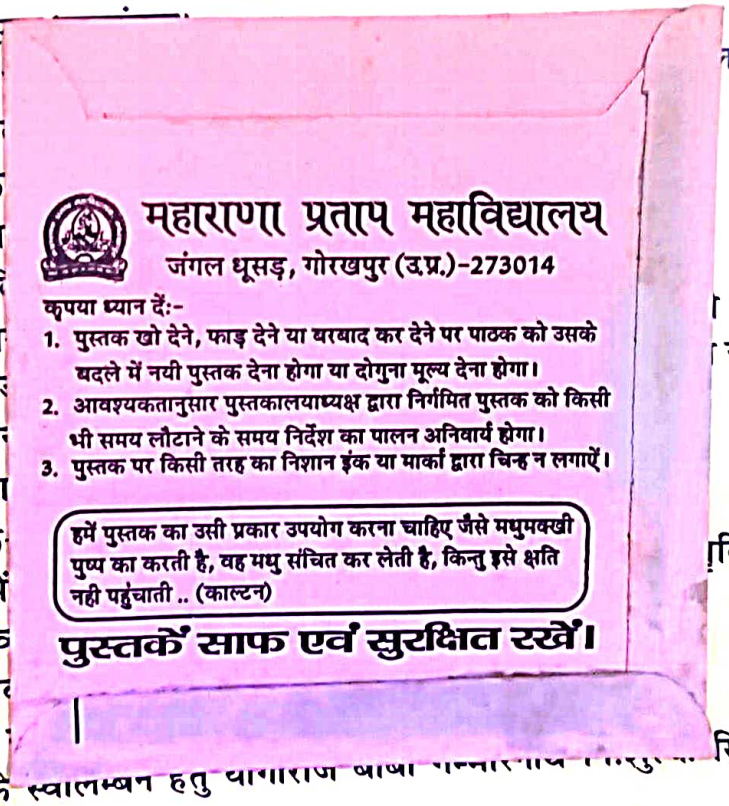

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

समावर्तन उपदेश

सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः। सत्यान्न प्रमदितव्यम्। धर्मान्न प्रमदितव्यम्। कुशलान्न प्रमदितव्यम्। भूत्यै न प्रमदितव्यम्। स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्। देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम्। मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव। यान्यनवद्यानि कर्माणि तानि सेवितव्यानि।

तैत्तिरीय उपनिषद् 1.11

"सत्य बोलना। धर्म का आचरण करना। स्वाध्याय में प्रमाद न करना। सत्य से न हटना। धर्म से न हटना । लाभ कार्य में प्रमाद न करना। महान् बनने के सुअवसर से न चूकना। पठन-पाठन के कर्त्तव्य में प्रमाद न करना। देवता और पितरों के कार्य (यज्ञ और श्राद्ध आदि) से प्रमाद न करना। माता को देवी समझना। पिता को देवता समझना। आचार्य को देवता समझना। अतिथि को देवता समझना। अन्यान्य दोष-रहित कार्यों को करना।"

संकल्प

मैं .....पुत्र/पुत्री श्री/श्रीमती.....

स्नातक/स्नातकोत्तर कला/विज्ञान/वाणिज्य में इस महाविद्यालय से अपनी शिक्षा पूर्ण कर रहा/रही हूँ।

- मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि उपर्युक्त समावर्तन उपदेश का पालन करूँगा/करूँगी।
- जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वाह करूँगा/करूँगी।
- मैं भारत का एक योग्य नागरिक बना रहूँगा/बनी रहूँगी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति मेरी निष्ठा रहेगी।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे राष्ट्रीय एकता-अखण्डता को चोट पहुँचे।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे मेरे माता-पिता तथा सगे-सम्बन्धियों की कीर्ति धूमिल हो।
- भारत की सनातन संस्कृति में मेरी अटूट निष्ठा बनी रहेगी।
- भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान करते हुए उसके संवर्धन हेतु सदैव प्रयत्नशील रहूँगा/रहूँगी और अपने व्यक्तिगत जीवन में उनका पालन करूँगा/करूँगी।

हस्ताक्षर प्राचार्य

हस्ताक्षर छात्र/छात्रा